एकवार्षिक स्नातकोत्तर उपाधि परीक्षा

पाठ्यक्रम

1- Year POST GRADUATE EXAMINATION SYLLABUS

एम्.ए.वैदिकअध्ययन

M.A.-Vaidic Studies

(Programme Code – PGO- VST)

अधिगम परिणाम-आधारित पाठ्यचर्या रूपरेखा (L.O.C.F.)

2025-2026

(वेद विभाग)

वेद-वेदाङ्ग एवं साहित्य सङ्काय

Faculty of Ved Vedanga evam Sahitya

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA

देवास मार्ग, उज्जैन (मध्यप्रदेश) भारत, पिन - 456010

Email:- regpsvvmp@rediffmail.com, Website:- www.mpsvv.ac.in

संकल्प मिश्र

परीक्षापाठ्यक्रम नियमावली

1. **पाठ्यक्रम का स्वरूप -**

अधिगम परिणाम-आधारित पाठ्यचर्या रूपरेखा (LOCF) पर आधारित एकवार्षिक **एम्.ए.- वैदिकअध्ययन** परीक्षा (नियमित एवं स्वाध्यायी) का पाठ्यक्रम चार सत्रार्द्धों में विभक्त होगा। पाठ्यक्रम में प्रतिसत्रार्द्ध 5 प्रश्नपत्र होंगे। 5-5 क्रेडिट के चार अनिवार्य प्रश्नपत्र मूल विषय के होंगे। पाँचवें प्रश्नपत्र के रूप में 2 क्रेडिट के प्रशिक्षुता/सङ्गोष्ठी/मूल्याधारित पाठ्यक्रम आदि शासन द्वारा जारी अध्यादेश 14 (2) के अनुसार होंगे। छात्रों द्वारा VAC पाठ्यक्रम अन्य विषय से भी चयन किये जा सकेंगे। पाठ्यक्रम में प्रथम 4 प्रश्नपत्रों हेतु पूर्णाङ्क 100 है। जिसमें 40 अङ्कों का आन्तरिक मूल्याङ्कन तथा 60 अङ्कों की सैद्धान्तिक (बाह्य) परीक्षा होगी।

2. प्रवेशनियम

एकवार्षिक एम्.ए.- वैदिकअध्ययन परीक्षा में निम्नलिखित परीक्षोत्तीर्ण छात्र प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे -

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नईदिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) त्रिवार्षिक स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।

3. परीक्षायोजना

1. एकवार्षिक **एम्.ए.- वैदिकअध्ययन** परीक्षा का माध्यम हिन्दी अथवा संस्कृत होगा। परियोजना प्रतिवेदन/लघुशोधप्रबन्ध की भाषा भी संस्कृत अथवा हिन्दी होगी।

4. प्रश्नपत्रनिर्माणयोजना -

मुख्य पाठ्यक्रमों हेतु

प्रतिप्रश्नपत्र अधोलिखित अनुसार त्रिविध प्रश्न होंगे। उनमें प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प अनिवार्य रहेगा।

क्रमांक	प्रश्नप्रकार	प्रश्नसङ्ख्या	अङ्क	योग
1	बहुविकल्पकीय	5	1	5
2	लघूत्तरीय/टिप्पण्यात्मक	5	3	15
3	निबन्धात्मक/व्याख्यात्मक	5	8	40

संकल्प मिश्र

4	आन्तरिकमूल्याङ्कन			40
योग				100 अङ्क

VAC पाठ्यक्रमों हेतु

प्रतिप्रश्नपत्र अधोलिखित अनुसार त्रिविध प्रश्न होंगे। उनमें प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प अनिवार्य रहेगा।

क्रमांक	**प्रश्नप्रकार**	**प्रश्नसङ्ख्या**	**अङ्क**	**योग**
1	बहुविकल्पकीय	5	2	10
2	लघूत्तरीय/टिप्पण्यात्मक	5	6	30
3	निबन्धात्मक/व्याख्यात्मक	5	12	60
योग				100 अङ्क

5. ग्रेडिंगपद्धति-

एकवार्षिक एम्.ए.- वैदिकअध्ययनपरीक्षा में परीक्षाफल प्रकाशन में ग्रेडिंग पद्धति अपनायी जाएगी।

संकल्प मिश्र

CONVERSION OF MARKS INTO GRADE AND GRADE POINT			
MARKS OBTAINED	GRADE	GRADE POINT	DESCRIPTION
> 90%	O	10	Outstanding
> 80%	A+	9	Excellent
>70%	A	8	Very Good
>60%	B+	7	Good
>50%	B	6	Above Average
>40%	C	5	Average
40%	P	4	Pass
<40%	F	0	Fail
Ab	Ab	0	Absent

Equivalent Percentage= CGPA X 10

The Maximum Marks per paper is fixed at 100

(If it is less or more than 100, convert it into 100 for grading)

Cumulative Grade Point Average

Based on the grades obtained in all the subjects registered for by a student, his or her cumulative Grade point Average Semester Grade Point Average (SGPA) and Cumulative Grade

Point Average (CGPA) is calculated as follows:

$$\text{SGPA/CGPA} = \frac{\text{(No. of credits * Grade Point)}}{\text{No. of Credits}}$$

SGPA/CGPA is rounded off to the decimal Place.

- जो छात्र किसी सत्रार्द्ध के कुछ पाठ्यक्रमों (प्रश्नपत्रों) में अनुत्तीर्ण होते हैं, किन्तु यदि वे सत्रार्द्ध के कुल क्रेडिट (22) का 40% (अर्थात् 9 क्रेडिट) प्राप्त कर लेते हैं, तो उन्हें अनन्तिम रूप से अग्रिम सत्रार्द्ध में प्रोन्नत किया जावेगा तथा अनुत्तीर्ण पाठ्यक्रमों में उन्हें **एटीकेटी** प्राप्त होगी।
- शोध प्रबन्ध/परियोजना/सङ्गोष्ठी को पूर्ण न कर सके अथवा असफल रहे छात्रों को दो सत्रार्द्ध तक इन्हें दोहराने का अवसर मिलेगा। यदि दोनों सत्रार्द्ध में छात्र इन्हें पूर्ण नहीं कर सका, तो वह सम्बन्धित उपाधि का पात्र नहीं होगा।

6. उपलब्ध स्थान -

उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु उपलब्ध स्थान प्रवेश अधिसूचना द्वारा निर्धारित होंगे। प्रवेश के लिए उपलब्ध स्थानों पर राज्यशासन के नियमानुसार आरक्षण प्रदान किया जाएगा। अधिक प्रवेशार्थी होने की स्थिति में प्रत्येक सत्र में विश्वविद्यालय प्रशासन से स्थानवृद्धि की स्वीकृति प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

7. शुल्क -

छात्रों का प्रवेश शुल्क, परीक्षा तथा अन्य विभिन्न गतिविधियों का शुल्क विश्वविद्यालय के सम्बन्धित अध्यादेश के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित किया जाएगा, जिन्हें समय-समय पर आवश्यक होने पर संशोधित किया जा सकेगा।

8. परीक्षा सञ्चालन एवं उपाधि की पात्रता -

प्रस्तुत पाठ्यक्रम की परीक्षा का सञ्चालन विश्वविद्यालय द्वारा सम्बन्धित अध्यादेशों में विहित प्रावधानों के अनुसार किया जायेगा। उक्त स्नातकोत्तर परीक्षा पूर्ण करने के पश्चात् उत्तीर्ण होने पर एकवार्षिक **एम्.ए.- वैदिकअध्ययन** की उपाधि प्रदान की जाएगी।

संकल्प मिश्र

9. अवधि-

अध्यादेश 14 (2) के अनुसार एकवार्षिक स्नातकोत्तर **उपाधि** कार्यक्रम को अधिकतम एक वर्षों में पूर्ण करना अनिवार्य है।

10. सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम सञ्चालन- छात्रों द्वारा प्रथम अथवा तृतीय सत्रार्द्ध हेतु सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम चयन किये जाने पर विभागाध्यक्ष द्वारा सम्बद्ध विषय में मुख्य चार पाठ्यक्रमों पर आधारित सङ्गोष्ठी शीर्षकों की विस्तृत सूची जारी की जावेगी, जिन पर कक्षा में विमर्श किया जावे। परीक्षा आन्तरिक मूल्याङ्कन द्वारा सम्पादित की जावेगी। तृतीय सत्रार्द्ध के जो भी छात्र सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम स्वीकार करेंगे, उन्हें उस सत्रार्द्ध की अवधि में राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की न्यूनतम एक सङ्गोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद में सहभागिता करना अनिवार्य होगा तथा सम्बन्धित सङ्गोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद का प्रतिवेदन, प्रमाणपत्र एवं शोधपत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य रहेगा।

11. कार्यक्रम योजना

5. कार्यक्रम योजना

वर्ष/ सत्रार्द्ध		**पाठ्यक्रम प्रकार**				**कुल क्रेडिट**
		मुख्य पाठ्यक्रम एवं क्रेडिट			**इन्टर्नशिप/ अप्रेंटिसशिप/ सङ्गोष्ठी** अथवा VAC (CHM/ EEMC)	
		पाठ्यक्रम स्तर	**मुख्य पाठ्यक्रम**	**क्रेडिट**		
विकल्प- 1 (केवल पाठ्यक्रम कार्य)						
प्रथम वर्ष	प्रथम सत्रार्द्ध	500	CC-31 वेदाङ्ग एवं मीमांसा	5	सङ्गोष्ठी (2 क्रेडिट)	22
		500	CC-32 सामवेद एवं अथर्ववेद	5		
		500	CC-33 ब्राह्मण,आरण्यक एवं उपनिषत्	5		
		500	CC-34 वैदिक संस्कृति	5		
	द्वि	500	CC-41 वेदांग एवं मीमांसा	5	VAC (CHM/	22

संकल्प मिश्र

	तीयसत्रार्द्ध	500	CC-42 सामवेद एवं अथर्ववेद	5	EEMC) (2 क्रेडिट)	
		500	CC-43 ब्राह्मण आरण्यक एवं उपनिषत्	5		
		500	CC-44 स्मार्तानुप्रयोग * अथवा लघुशोधप्रबन्ध	5		
विकल्प- 2 (पाठ्यक्रम कार्य एवं शोध कार्य)						
प्रथमवर्ष	प्रथमसत्रार्द्ध	500	CC-31 वेदाङ्ग एवं मीमांसा	5	सङ्गोष्ठी (2 क्रेडिट)	22
		500	CC-32 सामवेद एवं अथर्ववेद	5		
		500	CC-33 ब्राह्मण,आरण्यक एवं उपनिषत्	5		
		500	CC-34 वैदिक संस्कृति	5		
	द्वितीयसत्रार्द्ध	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य)				22
विकल्प- 3 (केवल शोध कार्य)						
प्रथमवर्ष	प्रथमसत्रार्द्ध	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य)				**22**
	द्विती	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य)				**22**

संकल्प मिश्र

	य स त्रा र्द्ध		

12. पाठ्यक्रम प्रकार

मुख्य पाठ्यक्रम (Core Course) CC- किसी विषय/कार्यक्रम का अनिवार्य पाठ्यक्रम जिसका उद्देश्य विषय/कार्यक्रम का आवश्यक मौलिक, व्यापक और उन्नत ज्ञान प्रदान करना है।

मूल्य-संवर्धित पाठ्यक्रम (Value-Added Course) VAC - मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम विशिष्ट पाठ्यक्रम होते हैं जो छात्रों को नियमित पाठ्यक्रम से परे, किसी विशिष्ट क्षेत्र में अतिरिक्त कौशल, ज्ञान और विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। ये पाठ्यक्रम छात्रों की रोज़गार क्षमता, करियर की संभावनाओं और व्यक्तिगत विकास को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

संवैधानिक, मानवीय और नैतिक मूल्य (Constitutional, Human and Moral) CHM- ये 'मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम' हैं जिनका उद्देश्य संवैधानिक, मानवीय एवं नैतिक मूल्यों तथा बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पर शिक्षा एवं अभ्यास प्रदान करना है।

रोजगार एवं उद्यमिता कौशल पाठ्यक्रम (Employability and Entrepreneurship Skill Course) EEMC- रोजगार योग्यता एवं उद्यमिता कौशल पाठ्यक्रम एक ऐसा पाठ्यक्रम है, जिसका उद्देश्य रोजगार योग्यता कौशल को बढ़ाना और प्रमुख व्यक्तिगत विशेषताओं को विकसित करना है, जो रोजगार क्षमता पैदा करने और कार्यस्थल पर प्रभावी प्रदर्शन के लिए तैयार करने के लिए आवश्यक हैं।

प्रशिक्षुता (Internship)- इंटर्नशिप किसी व्यक्ति द्वारा किसी संगठन में काम करने के ढङ्ग को समझने के अतिरिक्त, किसी विशिष्ट कार्य या भूमिका के लिए कौशल योग्यता में सुधार और सीखने के अवसरों के साथ-साथ शोध क्षमताओं का निर्माण करने के लिए भी की जाती है। इंटर्नशिप इस प्रकार आयोजित की जानी चाहिए कि इससे इंटर्न के साथ-साथ इंटर्नशिप प्रदान करने वाले संगठन को भी लाभ हो।

संकल्प मिश्र

कार्यस्थल के लिए आवश्यक सही दृष्टिकोण के साथ व्यावहारिक अनुभव और अनुभव विकसित करके स्नातकोत्तरों की रोजगार क्षमता में सुधार किया जा सकता है। इंटर्नशिप उन महत्वपूर्ण उपकरणों में से एक है जो इन रोजगार कौशलों को बेहतर बनाने में मदद करते हैं और छात्रों में रोजगार के लिए योग्यता, क्षमता, पेशेवर कार्य कौशल, विशेषज्ञता और आत्मविश्वास पैदा करने और शोध के प्रति रुचि/जुनून विकसित करने में मदद कर सकते हैं। इंटर्न कार्यस्थल में सिद्धांत के अनुप्रयोग को समझ सकते हैं। इंटर्नशिप को मोटे तौर पर दो प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है-

i. रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए इंटर्नशिप

ii. शोध योग्यता विकसित करने के लिए इंटर्नशिप

शिक्षुता (Apprenticeship) - शिक्षुता प्रशिक्षण किसी भी उद्योग या प्रतिष्ठान में प्रशिक्षण का एक कोर्स है, जो नियोक्ता और शिक्षुओं के बीच शिक्षुता के अनुबंध के अनुसरण में और निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुसार किया जाता है।

सङ्गोष्ठी (Seminar) – सङ्गोष्ठी गतिविधि आधारित पाठ्यक्रम हैं, जिनमें छात्र सामान्यतः अपनी कक्षा में तैयार किए गए प्रदत्त कार्य (Assignments), परियोजना (Project) / विषय बिन्दु तथा शीर्षक आधारित चर्चा (Theme & Topics) करते हैं।

संकल्प मिश्र

एकवार्षिक एम्.ए.वैदिकअध्ययन

उपाधि सत्रार्द्धपरीक्षा पाठ्यक्रम

M.A.-Vaidic Studies

Syllabus

(Programme Code – PGO- VST)

प्रथम सत्रार्द्ध

2025-2026

(वेद विभाग)

वेद-वेदाङ्ग एवं साहित्य सङ्काय

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

देवास मार्ग, उज्जैन (मध्यप्रदेश) भारत, पिन - 456010

Email:- regpsvvmp@rediffmail.com, Website:- www.mpsvv.ac.in

संकल्प मिश्र

भाग अ – **परिचय**			
कार्यक्रम : **उपाधि**	कक्षा :**द्विवर्षीयएम. ए. (स्नातकोत्तर)**	सत्रार्द्ध: **तृतीय:**	सत्र : **2025-26**
विषय : **वैदिक अध्ययन**			

1.	पाठ्यक्रम- कोड	PGT-VST31	
2.	पाठ्यक्रम- शीर्षक	वेदाङ्ग एवं मीमांसा	
3.	पाठ्यक्रम- प्रकार	मुख्यविषय (प्रथमप्रश्नपत्र)	
4.	पूर्वापेक्षा (**Pre-requisite)(If any)**	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5.	पाठ्यक्रम-अध्ययनोपलब्धि(**CLO**)	1. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के व्यापक स्वरूप से परिचित कराना है। जिससे विद्यार्थी वैदिक साहित्य के व्यापक स्वरूप की व्याख्या कर सकेंगे। 2. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के अन्तर्गत परिगणित वेदांग एवं मीमांसा आदि विषयों की महत्ता से परिचित कराना है। जिससे विद्यार्थी वैदिक साहित्य के अन्तर्गत परिगणित वेदांग एवं मीमांसा आदि विषयों की महत्ता की व्याख्या कर सकेंगे।	
6.	क्रेडिट-मान	**05** क्रेडिट	
7.	पूर्णांक	अधिकतमाङ्क40+60	न्यूनतमोत्तीर्णांक40

भाग ब – पाठ्यक्रम-विषयवस्तु

व्याख्यान संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 05 घण्टे) : **L-T-P**

इकाई	**विषय**	**व्याख्यान संख्या**
1	पाणिनीयशिक्षा - सम्पूर्णा **गतिविधि-**निबन्धलेखन	**15**
2	पारस्करगृह्यसूत्र – प्रथम काण्ड **गतिविधि-:** याज्ञिकप्रक्रियाधारितसामग्री का सूचीकरण	**15**
3	अर्थसंग्रह – वेद विभाग, धर्म लक्षण, भावना विचार, विधिविमर्श तथा अर्थवाद **गतिविधि-:** विभागानुगुण तालिकानिर्माण	**15**
4	निरुक्त - प्रथमाध्याय **गतिविधि-:** सूक्ताधारितकथालेखन	**15**

संकल्प मिश्र

5	वेदांग ज्योतिष – आचार्य लगध (सामान्य परिचय) **गतिविधि-:** प्रश्नोत्तरी	**15**

सारबिन्दु(की वर्ड/टैग) : वेदांग ज्योतिष, निरुक्त, पाणिनीयशिक्षा, अर्थसंग्रह, पारस्करगृह्यसूत्र

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तक, सन्दर्भग्रन्थ, अन्य संसाधन

क. अनुशंसित सहायक पुस्तक/ग्रन्थ/अन्य पाठ्यसंसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. पाणिनीयशिक्षा – आचार्य कौण्डिन्न्यायन,चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी- मनमोहनघोष (अनुवादक), कलकत्ता विश्वविद्यालय
2. पारस्करगृह्यसूत्र – जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
3. अर्थसंग्रह – डॉ राजेश्वर शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
4. निरुक्त – डॉ जमुनापाठक, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
5. मीमांसाशास्त्र का इतिहास – डॉ गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत सीरीज

ख. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिंक

ग. http://vedicheritage.gov.in

अनुशंसित-समकक्ष- ऑनलाईन-पाठ्यक्रम-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधि

अनुशंसित सतत-मूल्यांकन विधि - लिखितपरीक्षा, आन्तरिक-मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतमांक : 100
सतत-व्यापकमूल्यांकन (**CCE**) अंक: 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (**UE**) अंक: 60

आन्तरिकमूल्यांकन : सतत-व्यापकमूल्यांकन(**CCE**):	कक्षा-परीक्षण Assignment/प्रस्तुतीकरण	पूर्णांक 40
आकलन : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभाग (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्न 5×1=5 अनुभाग (ब) : लघूत्तरीयप्रश्न 5×3=15 अनुभाग (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्न 5×8=40	पूर्णांक 60
टिप्पणी :		

संकल्प मिश्र

भाग अ – **परिचय**			
कार्यक्रम : **उपाधि**	कक्षा :**द्विवर्षीयएम. ए. (स्नातकोत्तर)**	सत्रार्द्धः **तृतीय:**	सत्र : **2025-26**
विषय : **वैदिक अध्ययन**			

1.	पाठ्यक्रम- कोड	PGT-VST32	
2.	पाठ्यक्रम- शीर्षक	सामवेद एवं अथर्ववेद	
3.	पाठ्यक्रम- प्रकार	मुख्यविषय (द्वितीयप्रश्नपत्र)	
4.	पूर्वापेक्षा (**Pre-requisite)(If any)**	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5.	पाठ्यक्रम-अध्ययनोपलब्धि(**CLO**)	1. इस पाठ्यक्रम का उद्देश विद्यार्थियों को सामवेद तथा अथर्ववेद के साहित्य से परिचित कराना है। जिससे विद्यार्थी सामवेद तथा अथर्ववेद के साहित्य की व्याख्या कर सकेंगे। 2. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को सामवेदीय तथ अथर्ववेदीय साहित्य के वर्गीकरण तथा व्याख्यापद्धति आदि विषयों से परिचित कराना है। जिससे विद्यार्थी सामवेदीय तथा अथर्ववेदीय साहित्य के वर्गीकरण आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।	
6.	क्रेडिट-मान	**05** क्रेडिट	
7.	पूर्णांक	अधिकतमाङ्क40+60	न्यूनतमोत्तीर्णांक40

भाग ब – पाठ्यक्रम-विषयवस्तु

व्याख्यान संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 05 घण्टे) : **L-T-P**

इकाई	**विषय**	**व्याख्यान संख्या**
1	सामवेद कौथुमीय शाखा – पूर्वार्चिक (पवमान काण्ड,पञ्चम अध्याय, खण्ड १) **गतिविधि-**निबन्धलेखन	**15**
2	सामवेद सूक्त – अग्निसूक्त (१.१), आरण्यककाण्ड (षष्ठाध्याय, प्रथम खण्ड) **गतिविधि-:** प्रक्रियाधारितसामग्री सूचीकरण	**15**
3	अथर्ववेदसूक्त – मेधाजनन (१.१), राष्ट्राभिवर्धन (१.२९) **गतिविधि-:** विभागानुगुण तालिकानिर्माण	**15**
4	अथर्ववेदसूक्त – परमधाम (वेनसूक्त) २.१, धन्वन्तरिसूक्त (३.३) **गतिविधि-:** सूक्ताधारितकथालेखन	**15**

संकल्प मिश्र

5	अथर्ववेदसूक्त – अग्न्यादयसूक्त (३.२६), साम्मनस्यसूक्त (३.३०) **गतिविधि-:** प्रश्नोत्तरी	**15**

सारबिन्दु(की वर्ड/टैग) : अथर्ववेदसूक्त, वेनसूक्त, साम्मनस्यसूक्त, अग्निसूक्त, आरण्यककाण्ड

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तक, सन्दर्भग्रन्थ, अन्य संसाधन

क. अनुशंसित सहायक पुस्तक/ग्रन्थ/अन्य पाठ्यसंसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. सामवेद (सम्बद्धभाग), श्रीपाद दामोदर सातवलेकर (सम्पादक एवं भाष्यकार), किल्ला पारडी, जिला बलसाड, महाराष्ट्र
2. अथर्ववेद (सम्बद्धभाग), श्रीपाद दामोदर सातवलेकर (सम्पादक एवं भाष्यकार),, किल्ला पारडी, जिला बलसाड, महाराष्ट्र
3. अथर्ववेद संहिता, सायणभाष्यसहित, डॉ ए वेबर, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
4. अथर्वकालीन संस्कृति, डॉ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

ख. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिंक

ग. http://vedicheritage.gov.in

अनुशंसित-समकक्ष- ऑनलाईन-पाठ्यक्रम-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in
4. sanskrit.samskrutam.com

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधि

अनुशंसित सतत-मूल्यांकन विधि - लिखितपरीक्षा, आन्तरिक-मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतमांक : 100
सतत-व्यापकमूल्यांकन (**CCE**) अंक: 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (**UE**) अंक: 60

आन्तरिकमूल्यांकन : सतत-व्यापकमूल्यांकन(**CCE**):	कक्षा-परीक्षण Assignment/प्रस्तुतीकरण	पूर्णांक 40
आकलन : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभाग (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्न5×1=5 अनुभाग (ब) : लघूत्तरीयप्रश्न5×3=15 अनुभाग (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्न5×8=40	पूर्णांक 60

टिप्पणी :

संकल्प मिश्र

भाग अ – **परिचय**				
कार्यक्रम : **उपाधि**		कक्षा :**द्विवर्षीयएम. ए. (स्नातकोत्तर)**	सत्रार्द्ध: **तृतीय:**	सत्र : **2025-26**
विषय : **वैदिक अध्ययन**				
1.	पाठ्यक्रम- कोड	PGT-VST33		
2.	पाठ्यक्रम- शीर्षक	ब्राह्मण आरण्यक एवं उपनिषत्		
3.	पाठ्यक्रम- प्रकार	मुख्यविषय (तृतीयप्रश्नपत्र)		
4.	पूर्वापेक्षा (**Pre-requisite)(If any)**	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।		
5.	पाठ्यक्रम-अध्ययनोपलब्धि(**CLO**)	1. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के अन्तर्गत परिगणित ब्राह्मण आरण्यक एवं उपनिषत् ग्रन्थों के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित होंगे तथाइनके मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे। 2. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के वर्गीकरण तथा व्याख्यापद्धति आदि विषयों से परिचित कराना है। जिससे विद्यार्थी वर्गीकरण तथा व्याख्या पद्धति आदि विषयों की समुचित जानकारी कर सकेंगे।		
6.	क्रेडिट-मान	**05** क्रेडिट		
7.	पूर्णांक	अधिकतमाङ्क40+60		न्यूनतमोत्तीर्णांक40

भाग ब – पाठ्यक्रम-विषयवस्तु		
व्याख्यान संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 05 घण्टे) : **L-T-P**		
इकाई	**विषय**	**व्याख्यान संख्या**
1	शतपथब्राह्मण सामान्य परिचय, प्रमुख आरण्यकों का सामान्य परिचय, उपनिषद् का अर्थ प्रतिपाद्य विषय तथा महत्त्व **गतिविधि-**निबन्धलेखन	**15**
2	शतपथब्राह्मण १.६.३ (१-२१) त्वष्ट्रपुत्र विश्वरूप की कथा **गतिविधि-:** याज्ञिकप्रक्रियाधारितसामग्री का सूचीकरण	**15**
3	तैत्तिरीय ब्राह्मण १.१.२.६-१३ अग्न्याधान **गतिविधि-:** यागविभागानुगुण तालिकानिर्माण	**15**

संकल्प मिश्र

4	तैत्तिरीय आरण्यक २.१० पञ्च महायज्ञ **गतिविधि-:** सूक्ताधारितकथालेखन	**15**
5	श्वेताश्वतरोपनिषत् ३.७.२१ पुरुष-स्वरूप **गतिविधि-:** प्रश्नोत्तरी	**15**

सारबिन्दु(की वर्ड/टैग) :शतपथब्राह्मण, श्वेताश्वतरोपनिषत्, अग्न्याधान, त्वष्ट्रपुत्र, तैत्तिरीय ब्राह्मण

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तक, सन्दर्भग्रन्थ, अन्य संसाधन

क. अनुशंसित सहायक पुस्तक/ग्रन्थ/अन्य पाठ्यसंसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. शतपथब्राह्मण,सम्पादक वारे शास्त्री, आनन्दाश्रम, पुणे
2. तैत्तिरीयब्राह्मण - तैत्तिरीयारण्यक आनन्दाश्रम, पुणे
3. श्वेताश्वतरोपनिषत्, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
4. द न्यू वैदिक सिलेक्शन (भाग १ तथा २) – तैलंग एवं चौबे, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली तथा वाराणसी

ख. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिंक

ग. http://vedicheritage.gov.in

अनुशंसित-समकक्ष- ऑनलाईन-पाठ्यक्रम-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in
4. sanskrit.samskrutam.com

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधि

अनुशंसित सतत-मूल्यांकन विधि - लिखितपरीक्षा, आन्तरिक-मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतमांक : 100
सतत-व्यापकमूल्यांकन (CCE) अंक: 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (UE) अंक: 60

आन्तरिकमूल्यांकन : सतत-व्यापकमूल्यांकन(CCE):	कक्षा-परीक्षण Assignment/प्रस्तुतीकरण	पूर्णांक 40
आकलन : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभाग (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्न5×1=5 अनुभाग (ब) : लघूत्तरीयप्रश्न5×3=15 अनुभाग (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्न5×8=40	पूर्णांक 60

टिप्पणी :

संकल्प मिश्र

भाग अ – **परिचय**			
कार्यक्रम : **उपाधि**	कक्षा :**द्विवर्षीयएम. ए. (स्नातकोत्तर)**	सत्रार्द्ध: **तृतीय:**	सत्र : **2025-26**
विषय : **वैदिक अध्ययन**			

1.	पाठ्यक्रम- कोड	PGT-VST34	
2.	पाठ्यक्रम- शीर्षक	वैदिक संस्कृति	
3.	पाठ्यक्रम- प्रकार	मुख्यविषय (चतुर्थप्रश्नपत्र)	
4.	पूर्वापेक्षा (**Pre-requisite)(If any)**	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5.	पाठ्यक्रम-अध्ययनोपलब्धि(**CLO**)	1. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक संस्कृति के मूलभूत स्वरूप से परिचित कराना है। जिससे विद्यार्थी साहित्य के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे। 2. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक संस्कृत के विविध विषयों से परिचित कराना है।विद्यार्थी वैदिक संस्कृत के विविधविषयों की समुचित व्याख्या कर सकेंगे।	
6.	क्रेडिट-मान	**05** क्रेडिट	
7.	पूर्णांक	अधिकतमाङ्क40+60	न्यूनतमोत्तीर्णांक40

भाग ब – पाठ्यक्रम-विषयवस्तु

व्याख्यान संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 05 घण्टे) : **L-T-P**

इकाई	**विषय**	**व्याख्यान संख्या**
1	वैदिक संस्कृति का स्वरूप **गतिविधि-**निबन्ध लेखन	**15**
2	वैदिक भूगोल तथा सामाजिक जीवन **गतिविधि-:** प्रश्नोत्तरी	**15**
3	वैदिक अर्थव्यवस्था **गतिविधि-:** अर्थसाधनों का सूचीकरण	**15**
4	वैदिक राजनीतिकव्यवस्था **गतिविधि-:** आरेख निर्माण	**15**

संकल्प मिश्र

5	वैदिक ललितकलाएँ **गतिविधि-:** प्रश्नोत्तरी	**15**

सारबिन्दु(की वर्ड/टैग) : वैदिक संस्कृति, वैदिक भूगोल, वैदिक अर्थव्यवस्था, वैदिक राजनीतिकव्यवस्था, वैदिक ललितकलाएँ

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तक, सन्दर्भग्रन्थ, अन्य संसाधन

क. अनुशंसित सहायक पुस्तक/ग्रन्थ/अन्य पाठ्यसंसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. वैदिकसाहित्यएवंसंस्कृति–कपिलदेवद्विवेदी, विश्वविद्यालयप्रकाशन, वाराणसी
2. द न्यू वैदिक सिलेक्शन (भाग१तथा२) –तैलंग एवं चौबे, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली तथा वाराणसी

ख. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिंक

ग. http://vedicheritage.gov.in

अनुशंसित-समकक्ष- ऑनलाईन-पाठ्यक्रम-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in
4. sanskrit.samskrutam.com

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधि

अनुशंसित सतत-मूल्यांकन विधि - लिखितपरीक्षा, आन्तरिक-मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतमांक : 100
सतत-व्यापकमूल्यांकन (**CCE**) अंक: 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (**UE**) अंक: 60

आन्तरिकमूल्यांकन : सतत-व्यापकमूल्यांकन(**CCE**):	कक्षा-परीक्षण Assignment/प्रस्तुतीकरण	पूर्णांक 40
आकलन : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभाग (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्न5×1=5 अनुभाग (ब) : लघूत्तरीयप्रश्न5×3=15 अनुभाग (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्न5×8=40	पूर्णांक 60

टिप्पणी :

संकल्प मिश्र

एकवार्षिक एम्.ए.वैदिकअध्ययन

उपाधि सत्रार्द्धपरीक्षा पाठ्यक्रम

M.A.-Vaidic Studies

Syllabus

(Programme Code – PGO- VST)

द्वितीय सत्रार्द्ध

2025-2026

(वेद विभाग)

वेद-वेदाङ्ग एवं साहित्य सङ्काय

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

देवास मार्ग, उज्जैन (मध्यप्रदेश) भारत, पिन - 456010

Email:- regpsvvmp@rediffmail.com, Website:- www.mpsvv.ac.in

भाग अ – **परिचय**			
कार्यक्रम : **उपाधि**	कक्षा : **द्विवर्षीय एम.ए. (स्नातकोत्तर)**	सत्रार्द्ध: **चतुर्थ:**	सत्र : **2025-26**
विषय : **वैदिक अध्ययन**			

1.	पाठ्यक्रम- कोड	PGT-VST41	
2.	पाठ्यक्रम- शीर्षक	वेदांग एवं मीमांसा	
3.	पाठ्यक्रम- प्रकार	मुख्यविषय (प्रथमप्रश्नपत्र)	
4.	पूर्वापेक्षा (**Pre-requisite)(If any)**	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5.	पाठ्यक्रम-अध्ययनोपलब्धि(**CLO**)	1. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के व्यापक स्वरूप से परिचित कराना है। जिससे विद्यार्थी वैदिक साहित्य का इतिहास एवं व्याकरण के सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे। 2. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के अन्तर्गत वेदांग एवं मीमांसा आदि विषयों की महत्ता से परिचित कराना है। जिससे विद्यार्थी वैदिक साहित्य के वर्गीकरण भाष्य परम्परा वैदिक यागों के स्वरूप तथा महत्त्व आदि विषयों की समुचित व्याख्या कर सकेंगे।	
6.	क्रेडिट-मान	**05** क्रेडिट	
7.	पूर्णांक	अधिकतमाङ्क40+60	न्यूनतमोत्तीर्णांक40

भाग ब – पाठ्यक्रम-विषयवस्तु		
व्याख्यान संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 05 घण्टे) : **L-T-P**		
इकाई	**विषय**	**व्याख्यान संख्या**
1	याज्ञवल्क्यशिक्षा (सम्पूर्ण) **गतिविधि-**निबन्धलेखन	**15**
2	पाणिनि अष्टाध्यायी (सामान्यपरिचय) **गतिविधि-:** सूत्रसूचीकरण	**15**
3	निरुक्त – यास्क (द्वितीयाध्याय) **गतिविधि-:** विषय विभाग के अनुसार तालिका निर्माण	**15**
4	छन्दःसूत्र -पिङ्गल (सामान्य परिचय) **गतिविधि-:** सूत्राधारित तालिका निर्माण	**15**

संकल्प मिश्र

5	मीमांसापरिभाषा (सम्पूर्ण) **गतिविधि-:** प्रश्नोत्तरी	**15**

सारबिन्दु(की वर्ड/टैग) : याज्ञवल्क्यशिक्षा, पाणिनि अष्टाध्यायी, निरुक्त, पिङ्गल छन्दःसूत्र, मीमांसापरिभाषा

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तक, सन्दर्भग्रन्थ, अन्य संसाधन

क. अनुशंसित सहायक पुस्तक/ग्रन्थ/अन्य पाठ्यसंसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. याज्ञवल्क्यशिक्षा – चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
2. अष्टाध्यायी – चौखम्वा प्रकाशन, वाराणसी
3. निरुक्त – डॉ जमुना पाठक, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
4. छन्दःसूत्र – विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. मीमांसाशास्त्र का इतिहास – डॉ गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी

ख. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिंक

ग. http://vedicheritage.gov.in

अनुशंसित-समकक्ष- ऑनलाईन-पाठ्यक्रम-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in
4. sanskrit.samskrutam.com

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधि

अनुशंसित सतत-मूल्यांकन विधि - लिखितपरीक्षा, आन्तरिक-मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतमांक : 100
सतत-व्यापकमूल्यांकन (**CCE**) अंक: 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (**UE**) अंक: 60

आन्तरिकमूल्यांकन : सतत-व्यापकमूल्यांकन(**CCE**):	कक्षा-परीक्षण Assignment/प्रस्तुतीकरण	पूर्णांक 40
आकलन : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभाग (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्न5×1=5 अनुभाग (ब) : लघूत्तरीयप्रश्न5×3=15 अनुभाग (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्न5×8=40	पूर्णांक 60

टिप्पणी :

संकल्प मिश्र

भाग अ – **परिचय**			
कार्यक्रम : **उपाधि**	कक्षा :**द्विवर्षीयएम. ए. (स्नातकोत्तर)**	सत्रार्द्ध: **चतुर्थ:**	सत्र : **2025-26**
विषय : **वैदिक अध्ययन**			

1.	पाठ्यक्रम- कोड	PGT-VST42	
2.	पाठ्यक्रम- शीर्षक	सामवेद एवं अथर्ववेद	
3.	पाठ्यक्रम- प्रकार	मुख्यविषय (द्वितीयप्रश्नपत्र)	
4.	पूर्वापेक्षा (**Pre-requisite)(If any)**	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5.	पाठ्यक्रम-अध्ययनोपलब्धि(**CLO**)	1. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को सामवेद तथा अथर्ववेद साहित्य से परिचित कराना है। जिससे विद्यार्थी सामवेद तथा अथर्ववेद के साहित्य की व्याख्या कर सकेंगे। 2. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को सामवेदीय तथा अथर्ववेदीय साहित्य के वर्गीकरण तथा व्याख्यापद्धति आदि विषयों से परिचित कराना है। जिससे विद्यार्थी सामवेदीय तथा अथर्ववेदीय साहित्य के वर्गीकरण तथा व्याख्यापद्धति आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।	
6.	क्रेडिट-मान	**05** क्रेडिट	
7.	पूर्णांक	अधिकतमाङ्क40+60	न्यूनतमोत्तीर्णांक40

भाग ब – पाठ्यक्रम-विषयवस्तु		
व्याख्यान संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 05 घण्टे) : **L-T-P**		
इकाई	**विषय**	**व्याख्यान संख्या**
1	सामवेद (कौथुम) पूर्वार्चिक, पवमान काण्ड, (अध्याय५, खण्ड २) **गतिविधि –** निबन्धलेखन	**15**
2	सामवेद सूक्त - इन्द्र ३.१, सोम ४.१ **गतिविधि-:** विशेषण पदों का सूचीकरण	**15**
3	अथर्ववेद सूक्त – स्वराज्य में राजा का पुनःस्थापन ३.३, ब्रह्मौदन ४.३४ **गतिविधि-:** विभागानुगुण तालिकानिर्माण	**15**
4	अथर्ववेद सूक्त – ब्रह्मगवीसूक्त ५.१८, कालसूक्त १९.५३ **गतिविधि-:** सूक्ताधारितकथालेखन	**15**

संकल्प मिश्र

5	अथर्ववेद सूक्त – ब्रह्मचारिसूक्त ११.५२, ब्रह्मयज्ञसूक्त १९.४२ **गतिविधि-:** प्रश्नोत्तरी	**15**

सारबिन्दु(की वर्ड/टैग) : पवमान काण्ड, इन्द्र, ब्रह्मौदन, कालसूक्त, ब्रह्मगवीसूक्त, ब्रह्मचारी सूक्त

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तक, सन्दर्भग्रन्थ, अन्य संसाधन

क. अनुशंसित सहायक पुस्तक/ग्रन्थ/अन्य पाठ्यसंसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. सामवेद (सम्बद्धभाग), श्रीपाद दामोदर सातवलेकर (सम्पादक एवं भाष्यकार), किल्ला पारडी, बलसाड, महाराष्ट्र
2. अथर्ववेद संहिता, सायणभाष्यसहित, डॉ ए वेबर, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वराणसी
3. नवीन वैदिक सञ्चयन (भाग १-२), डॉ जमुना पाठक, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
4. द न्यू वैदिक सिलेक्शन (भाग १-२) – तैलंग एवं चौवे, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली तथा वाराणसी

ख. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिंक

ग. http://vedicheritage.gov.in

अनुशंसित-समकक्ष- ऑनलाईन-पाठ्यक्रम-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in
4. sanskrit.samskrutam.com

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधि

अनुशंसित सतत-मूल्यांकन विधि - लिखितपरीक्षा, आन्तरिक-मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतमांक : 100
सतत-व्यापकमूल्यांकन (**CCE**) अंक: 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (**UE**) अंक: 60

आन्तरिकमूल्यांकन : सतत-व्यापकमूल्यांकन(**CCE**):	कक्षा-परीक्षण Assignment/प्रस्तुतीकरण	पूर्णांक 40
आकलन : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभाग (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्न5×1=5 अनुभाग (ब) : लघूत्तरीयप्रश्न5×3=15 अनुभाग (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्न5×8=40	पूर्णांक 60

टिप्पणी :

संकल्प मिश्र

भाग अ – **परिचय**			
कार्यक्रम : **उपाधि**	कक्षा :**द्विवर्षीय एम. ए. (स्नातकोत्तर)**	सत्रार्द्ध: **चतुर्थ:**	सत्र : **2025-26**
विषय : **वैदिक अध्ययन**			

1.	पाठ्यक्रम- कोड	PGT-VST43	
2.	पाठ्यक्रम- शीर्षक	ब्राह्मण आरण्यक एवं उपनिषत्	
3.	पाठ्यक्रम- प्रकार	मुख्यविषय (तृतीयप्रश्नपत्र)	
4.	पूर्वापेक्षा (**Pre-requisite)(If any)**	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5.	पाठ्यक्रम-अध्ययनोपलब्धि(**CLO**)	1. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिकसाहित्य के अन्तर्गत परिगणित ब्राह्मण आरण्यक एवं उपनिषत् के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित होंगे। विद्यार्थी ब्राह्मण आरण्यक एवं उपनिषत् के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे। 2. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के वर्गीकरण तथा व्याख्यापद्धति आदि विषयों से परिचित कराना है। जिससे विद्यार्थी वर्गीकरण तथा व्याख्या पद्धति आदि विषयों की समुचित जानकारी कर सकेंगे।	
6.	क्रेडिट-मान	**05** क्रेडिट	
7.	पूर्णांक	अधिकतमाङ्क40+60	न्यूनतमोत्तीर्णांक40

भाग ब – पाठ्यक्रम-विषयवस्तु

व्याख्यान संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 05 घण्टे) : **L-T-P**

इकाई	**विषय**	**व्याख्यान संख्या**
1	शतपथब्राह्मण (वाक्-मनस्-संवाद १.४.५.८-१३) **गतिविधि-**निबन्धलेखन	**15**
2	ब्राह्मण ग्रन्थों का सामाजिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन **गतिविधि-:** विषयाधारित वर्गीकरण का सूचीकरण	**15**
3	ऐतरेय आरण्यक २.१.७ पुरुष-विभूति **गतिविधि-:** कथालेखन	**15**
4	बृहदारण्यकोपनिषत् – २.४ आत्मतत्त्व विवेचन **गतिविधि-:** समीक्षात्मक निबन्ध लेखन	**15**

संकल्प मिश्र

5	उपनिषदों के प्रमुख सिद्धान्त **गतिविधि-:** प्रश्नोत्तरी	**15**

सारबिन्दु(की वर्ड/टैग) : बृहदारण्यकोपनिषत्, शतपथब्राह्मण, वाक् , मनस्, आरण्यक

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तक, सन्दर्भग्रन्थ, अन्य संसाधन

क. अनुशंसित सहायक पुस्तक/ग्रन्थ/अन्य पाठ्यसंसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. शतपथब्राह्मण,सम्पादक वारे शास्त्री, आनन्दाश्रम, पुणे
2. ऐतरेयारण्यक, आनन्दाश्रम, पुणे
3. बृहदारण्यकोपनिषत् – चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
4. द न्यू वैदिक सिलेक्शन (भाग १ तथा २) – तैलंग एवं चौबे, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली तथा वाराणसी
5. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – आचार्य बलदेव उपाध्याय

ख. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिंक

ग. http://vedicheritage.gov.in

अनुशंसित-समकक्ष- ऑनलाईन-पाठ्यक्रम-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in
4. sanskrit.samskrutam.com

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधि

अनुशंसित सतत-मूल्यांकन विधि - लिखितपरीक्षा, आन्तरिक-मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतमांक : 100
सतत-व्यापकमूल्यांकन (**CCE**) अंक: 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (**UE**) अंक: 60

आन्तरिकमूल्यांकन : सतत-व्यापकमूल्यांकन(**CCE**):	कक्षा-परीक्षण Assignment/प्रस्तुतीकरण	पूर्णांक 40
आकलन : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभाग (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्न5×1=5 अनुभाग (ब) : लघूत्तरीयप्रश्न5×3=15 अनुभाग (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्न5×8=40	पूर्णांक 60

टिप्पणी :

संकल्प मिश्र

भाग अ – **परिचय**			
कार्यक्रम : **उपाधि**	कक्षा : **द्विवर्षीयएम. ए. (स्नातकोत्तर)**	सत्रार्द्ध: **चतुर्थ:**	सत्र : **2025-26**
विषय : **वैदिक अध्ययन**			

1.	पाठ्यक्रम- कोड	PGT-VST44	
2.	पाठ्यक्रम- शीर्षक	स्मार्तानुप्रयोग	
3.	पाठ्यक्रम- प्रकार	मुख्यविषय (चतुर्थप्रश्नपत्र)	
4.	पूर्वापेक्षा (**Pre-requisite)(If any)**	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5.	पाठ्यक्रम-अध्ययनोपलब्धि(**CLO**)	1. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्मार्तानुप्रयोग के स्वरूप तथा प्रायोगिक सिद्धान्तों से परिचित कराना है। जिससे विद्यार्थी स्मार्तानुप्रयोग के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे। 2. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्मार्तानुष्ठान संस्कार तथा याग आदि के स्वरूप तथा महत्व आदि विषयों से परिचित कराना है। जिससे विद्यार्थी स्मार्तानुष्ठान संस्कार तथा याग आदि के स्वरूप तथा महत्व आदि विषयों की समुचित जानकारी कर सकेंगे।	
6.	क्रेडिट-मान	**05** क्रेडिट	
7.	पूर्णांक	अधिकतमाङ्क40+60	न्यूनतमोत्तीर्णांक40

भाग ब – पाठ्यक्रम-विषयवस्तु

व्याख्यान संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 05 घण्टे) : **L-T-P**

इकाई	**विषय**	**व्याख्यान संख्या**
1	पारस्करगृह्यसूत्र – प्रथमकाण्ड (१-३ कण्डिका) **गतिविधि-** याज्ञिक प्रक्रियाधारितसामग्री का सूचीकरण	**15**
2	धर्मसिन्धु – प्रथमपरिच्छेद **गतिविधि-:** निबन्धलेखन	**15**
3	भगवन्तभास्कर – आचारमयूख (परिभाषा) **गतिविधि-:** विभागानुगुण तालिकानिर्माण	**15**
4	भगवन्तभास्कर – संस्कारमयूख **गतिविधि-:** विषयाधारित निबन्ध लेखन	**15**

संकल्प मिश्र

5	आह्निकसूत्रावलि – ब्रह्मकर्मविचार **गतिविधि-:** प्रश्नोत्तरी	**15**

सारबिन्दु(की वर्ड/टैग) : पारस्करगृह्यसूत्र, धर्मसिन्धु, आचारमयूख, संस्कारमयूख, आह्निकसूत्रावलि, ब्रह्मकर्मविचार

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तक, सन्दर्भग्रन्थ, अन्य संसाधन

क. अनुशंसित सहायक पुस्तक/ग्रन्थ/अन्य पाठ्यसंसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. पारस्करगृह्यसूत्र – चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी
2. धर्मसिन्धु – खेमराज कृष्णदास वेङ्कटेश्वर प्रेस, बम्बई
3. भगवन्तभास्कर – चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी
4. आह्निकसूत्रावलि – चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी

ख. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिंक

1. http://vedicheritage.gov.in

अनुशंसित-समकक्ष- ऑनलाईन-पाठ्यक्रम-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in
4. sanskrit.samskrutam.com

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधि

अनुशंसित सतत-मूल्यांकन विधि - लिखितपरीक्षा, आन्तरिक-मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतमांक : 100
सतत-व्यापकमूल्यांकन (**CCE**) अंक: 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (**UE**) अंक: 60

आन्तरिकमूल्यांकन : सतत-व्यापकमूल्यांकन(**CCE**):	कक्षा-परीक्षण Assignment/प्रस्तुतीकरण	पूर्णांक 40
आकलन : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभाग (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्न 5×1=5 अनुभाग (ब) : लघूत्तरीयप्रश्न 5×3=15 अनुभाग (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्न 5×8=40	पूर्णांक 60

टिप्पणी :

संकल्प मिश्र